

राइफल ‘विध्वंसक’ और स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर से कांपा था पाकिस्तान



जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर में इस्तेमाल की गई एंटी-मटेरियल राइफल ‘विध्वंसक’ और स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर का प्रदर्शन किया। इनका इस्तेमाल सीमा पार पाकिस्तानी चौकियों को निशाना बनाने के लिए किया गया था।

2.7 मिमी एंटी-एयरक्राफ्ट गन: इसके साथ ही बीएसएफ ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आने वाले ड्रोन को गिराने के लिए इस्तेमाल की गई 2.7 मिमी एंटी-एयरक्राफ्ट गन का भी प्रदर्शन किया। एक बीएसएफ कर्मी ने कहा, ‘यह दुश्मन के टैंक, कैप और ड्रोन को नष्ट कर सकती है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर दिया और उन्हें अपनी सीमा चौकियों को छोड़ने पर मजबूर कर दिया।’

IG BSF जम्मू शशांक आनंद ने कहा, ‘9 मई को अखनूर के पास के इलाकों में पाकिस्तान ने बिना उकसावे के गोलीबारी की। 9-10 मई को पाकिस्तान ने अखनूर की सीमा पर भारी गोलीबारी की। क्रस्त्र ने योजनाबद्ध तरीके से पाकिस्तान के लूनी आतंकी लॉन्च पैड को निशाना बनाया।’



एंटी-मटेरियल राइफल ‘विध्वंसक’

एक बीएसएफ कर्मी ने बताया, ‘एंटी-मटेरियल राइफल ‘विध्वंसक’ की रेंज 1300 मीटर और 1800 मीटर है। इस हथियार ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुश्मन के टारगों और बंकरों को नष्ट कर दिया।’

स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर

सीमा सुरक्षा बल ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में दुश्मन की चौकियों को ध्वस्त करने के लिए इस्तेमाल की गई स्वचालित ग्रेनेड लॉन्चर के बारे में बताया कि यह स्वचालित ग्रेनेड प्रणाली ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान दुश्मन की चौकियों, ठिकानों और उनके बुलेटफुकवाहनों को नष्ट करने में बहुत सफल हथियार साबित हुई। इसकी रेंज 1700-2100 मीटर है। इससे दागे गए ग्रेनेड का मारक क्षेत्र 10 मीटर है। इसकी मारक क्षमता बहुत प्रभावी है।



मीडियम मशीन गन

पाकिस्तानी बंकरों को नष्ट करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मीडियम मशीन गन को लेकर एक बीएसएफ कर्मी ने कहा, ‘हमने इस मीडियम मशीन गन से पाकिस्तानी चौकियों और ड्रोन को नष्ट कर दिया। यह प्रति मिनट 600-1000 राउंड फायर कर सकती है।’ BSF DIG एसएस मंड ने बताया, ‘8 मई 2025 को गिराने की दौरान सीमा की ओर आ रहे 40-50 लोगों की हथकतों का पता चला। हमने एहतियातन हमला किया। इसके तुरंत बाद पाकिस्तान ने क्रस्त्र की सीमा चौकियों पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका हमने भी मुंहतोड़ा जवाब दिया। इनपुट्स से पता चलता है कि हमारे हमले में कई आतंकवादी, उनके समर्थक, रेंजर्स और अधिकारी घायल हुए हैं।’

ओवैसी ने पाक आर्मी चीफ को बताया स्टूपिड जोकर



नई दिल्ली। पाकिस्तानी सेना के चीफ आसिम मुनीर को फ़ैल्ड मार्शल चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक तस्वीर भेंट की। इसके बाद पाक सेना प्रमुख फ़ैल्ड मार्शल आसिम मुनीर का हर तरफ मजाक उड़ रहा है। इस पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इसकी नकल करने के लिए दिमाग की जरूरत होती है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा पाकिस्तान जो कुछ भी कह रहा है। उसे बिल्कुल भी गंभीरता से ना लें, एक चुटकी नमक के साथ भी नहीं। ओवैसी ने कुवैत में भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत के दौरान कहा, ‘कल पाकिस्तानी आर्मी चीफ ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ को एक फ़ोटो दी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति वहां पर मौजूद थे और नेशनल असेंबली के स्पीकर भी वहां पर थे। ये स्टूपिड जोकर भारत के साथ में प्रतिस्पर्धा करना चाहते हैं। उन्होंने 2019 की चीनी सेना की ड्रिल की एक फ़ोटो दी थी जिसमें दावा किया गया था कि यह भारत पर जीत है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, ‘हम बचपन में स्कूल में सुनते थे, अक्सर स्कूल में क्या होता था कि अच्छे पढ़ने वाले बच्चे के पास में जाकर बैठता था। तो नकल करने के लिए भी अकल चाहिए। इन नालायकों को अकल भी नहीं है। आप खुद सोच सकते हैं कि आपके खुद के देश के प्रधानमंत्री, प्रेसिडेंट, स्पीकर और नेशनल असेंबली वहां पर मौजूद हैं। आपके सो कॉल्ड फ़ैल्ड मार्शल भी वहां पर थे। वह चीनी ड्रिल की एक फ़ोटो दे रहे हैं। पाकिस्तान जो कुछ भी कह रहा है, उसे चुटकी भर नमक के साथ भी न लें।’

असदुद्दीन ओवैसी उस सर्वदलीय डेलीगेशन का हिस्सा है जो पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का असली चेहरा बेनकाब करने के लिए विदेश के दौर पर है। इससे पहले वह बहरीन भी पहुंचे थे। यहां पर भी उन्होंने पाकिस्तान पर जमकर हमला बोला था। ओवैसी ने कहा था, ‘हमारी सरकार ने हमें यहां इसलिए भेजा है, ताकि दुनिया को पता चले कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य खतरे का सामना कर रहा है। हमने कई निर्दोष लोगों की जान गंवाई है। यह सब समस्या पाकिस्तान से ही पैदा होती है।’

‘कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन 1947 में काट दी गईं भुजाएं’ : पीएम मोदी

गांधीनगर (आईएनएस)। गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर पहुंचे। यहां उन्होंने ‘गुजरात शहरी विकास योजना’ के 20वीं वर्षगांठ समारोह में हिस्सा लिया। अजमेर के करोड़ों की सौगात दी और एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाने के लिए सेना के शौर्य की प्रशंसा की। उन्होंने आजादी के समय हुई गलतियों का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, “मैं दो दिन से गुजरात में हूं। कल वडोदरा, दाहोद, भुज, अहमदाबाद और आज गांधीनगर में हूं। मैं जहां-जहां गया, वहां गर्जना करता सिंदूरिया सागर और लहरता तिरंगा जन-जन के हृदय में मातृभूमि के प्रति अपार प्रेम और देशभक्ति का ज्वार देखने को मिल रहा है। ये दृश्य सिर्फ गुजरात में नहीं हैं, हिंदुस्तान के कोने-कोने में हैं, हर हिंदुस्तानी के दिल में हैं।”

पीएम मोदी ने पाकिस्तान का जिक्र करते हुए कहा, “जब भी पाकिस्तान के साथ युद्ध हुआ, तीनों बार भारतीय सशस्त्र बलों ने उन्हें निर्णायक रूप से हराया। यह महसूस करते हुए कि वह प्रत्यक्ष युद्ध नहीं जीत सकता, पाकिस्तान ने छत्र युद्ध का सहारा लिया। उसने आतंकवादियों को प्रशिक्षित करना और उन्हें भारत में भेजना शुरू कर दिया। इन प्रशिक्षित आतंकवादियों ने निर्दोष, निहत्थे नागरिकों, यात्रा करने वाले लोगों, होटलों में बैठे लोगों या पर्यटकों के रूप में आने वाले लोगों को निशाना



पीएम ने की भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘ऑपरेशन सिंदूर’ के लिए भारतीय सेना के शौर्य की तारीफ की। उन्होंने कहा, “यह वीरों की भूमि है। अब तक जिसे हम छत्र युद्ध कहते थे, 6 मई के बाद जो दृश्य देखने को मिले, उसके बाद हम अब इसे छत्र युद्ध कहने की गलती नहीं कर सकते। कारण स्पष्ट है: जब मात्र 22 मिनट के भीतर नौ आतंकवादी ठिकानों की पहचान कर उन्हें नष्ट कर दिया गया, तो यह एक निर्णायक कार्रवाई थी। और इस बार सब कुछ कैमरों के सामने किया गया, ताकि घर पर कोई सबूत न मांग सके।”

बनाया।” “6 मई की रात जो लोग मारे गए, पाकिस्तान में उन जनाजों को स्टेट ऑनर दिया गया। उनके ताबूतों पर सज्जों के झंडे लगाए गए, वहां की सेना ने उनको सैल्यूट किया। ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि प्राक्सिस वॉर नहीं है, ये आपकी (पाकिस्तान) सोची-समझी युद्ध की रणनीति है, आप वॉर ही कर रहे हैं, तो उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा।”

पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान कहा, “हम किसी से दुश्मनी नहीं

1947 में मां भारती के टुकड़े हुए

उन्होंने 1947 के दर्द को बयां किया। कहा, “1947 में मां भारती के टुकड़े हुए। कटनी चाहिए थी जंजीरें, लेकिन काट दी गईं भुजाएं। देश के तीन टुकड़े कर दिए गए और उसी रात पहला आतंकी हमला कश्मीर की धरती पर हुआ। मां भारती का एक हिस्सा आतंकवादियों के बलबूते पर मुजाहिदीनों के नाम पर पाकिस्तान ने हड़प लिया। अगर उसी दिन इन मुजाहिदीनों को मौत के घाट उतार दिया गया होता और सरदार पटेल की बात मान ली गई होती, तो 75 साल से चला आ रहा ये सिलसिला (आतंकी घटनाओं का) देखने को नहीं मिलता।”

देश को कैसे बर्बाद कर दिया गया। अगर आप 1960 की सिंधु जल संधि का विस्तार से अध्ययन करेंगे, तो आप चौंक जाएंगे। यह तथ्य किया गया था कि जम्मू-कश्मीर की नदियों पर बने बांधों की सफाई नहीं की जाएगी। गाद निकालने का काम नहीं किया जाएगा। तलछट साफ करने के लिए बने निचले गेट बंद रहेंगे। दशकों तक, उन गेटों को कभी नहीं खोला गया। जिन जलाशयों को 100 प्रतिशत क्षमता तक भरना चाहिए था, वे अब केवल 2 प्रतिशत या 3 प्रतिशत तक ही सीमित रह गए हैं।”

नई पीढ़ी को बताना चाहता हूं कि इस

यह नया है मनुवाद दिल्ली विश्वविद्यालय में 60 फीसदी आरक्षित पद खाली : राहुल



राहुल गांधी का दावा- आरक्षित पदों को रखा जा रहा खाली

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केन्द्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस सरकार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से व्यवस्थागत भेदभाव किया जा रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों को नॉन फ़ंडेड सुटेबल बताकर खारिज किया जा रहा है और यह एक नए तरीके का मनुवाद है।

राहुल गांधी ने दावा किया कि ‘दिल्ली यूनिवर्सिटी में 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रोफेसर और 30 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट प्रोफेसर के आरक्षित पदों को हक्स (अयोग्य उम्मीदवार) बताकर खाली रखा गया है। यह कोई अपवाद नहीं है। आईआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, सभी जगह ये साजिश चल रही है। एनएफएस संविधान पर हमला है और सामाजिक न्याय से धोखा है। ये सिर्फ शिक्षा और नौकरी की नहीं, हक, सम्मान और हिस्सेदारी की

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि “नॉन फ़ंडेड सुटेबल” अब नया मनुवाद है। दलित और पिछड़े वर्ग के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर अयोग्य ठहराया जा रहा है ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व से दूर रहें। बाबा साहेब ने कहा था शिक्षा बराबरी के लिए सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मोदी सरकार उस हथियार को कुंद करने में जुटी है।

मंगलवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि है। इस मौके पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि ‘सशक्त और समावेशी भारत का सपना लिए, नेहरू जी ने अपने दूरदर्शी नेतृत्व से स्वतंत्र भारत की मजबूत नींव रखी। सामाजिक न्याय, आधुनिकता, शिक्षा, संविधान और लोकतंत्र की स्थापना में उनका योगदान अमूल्य है। हिंद के जवाहर की विरासत और उनके आदर्श सदैव हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगे।’

हमें एकजुट होने और स्वदेशी ताकत की जरूरत

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होने की जरूरत है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए स्वदेशी ताकत भी जरूरी है। उन्होंने एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की। एन्क्लेव में राजसभा इंटरनैशनल कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े



पैमाने पर बदलाल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। यह हमारे शांति के संदेश और आतंकवाद के प्रति हमारी पूर्ण असहिष्णुता को बढ़ावा देने के लिए विदेश गए प्रतीनिधिमंडलों में सभी राजनीतिक परिदृश्यों की भागीदारी में परिलक्षित होता है। उन्होंने कहा कह हाल की घटनाओं को देखते हुए हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने की ओवैसी की तारीफ

नई दिल्ली (आईएनएस)। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने मंगलवार को ‘ऑपरेशन सिंदूर’ को लेकर पाकिस्तान के झूठे प्रचार को बेनकाब करने पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी की प्रशंसा की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने

एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पाकिस्तान की तो पोल ही खोल दी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने ओवैसी की प्रशंसा तब की जब एआईएमआईएम प्रमुख ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख द्वारा जारी की गई तस्वीर को भारत पर

‘अपनी जीत का प्रतीक’ बताया था। दरअसल, पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनीर ने पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को ऑपरेशन नबयान अल-मस्रसा का स्मृति चिन्ह भेंट किया था और भारत पर अपनी जीत का दावा किया था। हालांकि बाद में

पता चला कि यह तस्वीर 2019 के चीन सैन्य अभ्यास की थी।इसको लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पाकिस्तान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि चीजों को सही तरीके से कांपी करने के लिए दिमाग की जरूरत होती है।

‘मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए नेहरू की आलोचना में सक्रिय मास्टर डिस्टोरियन’

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि ‘मास्टर डिस्टोरियन’ (तथ्यों को तोड़ने मरोड़ने के महारथी) करार दिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज पंडित नेहरू की पुण्यतिथि है, और आज के दिन भी देश का स्वयंभू सर्वोच्च नेता और इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने वाला मास्टर डिस्टोरियन नेहरू-विरोध में सक्रिय है। यह बेहद दुःखद और निंदनीय प्रयास है-उन गंभीर



सवालों से ध्यान भटकाने का, जिनका जवाब उन्हें देना चाहिए। इस दौरान जयराम रमेश ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उन

कांग्रेस ने आतंकवाद पर पूछे सवाल

रमेश ने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि इस हमले में शामिल आतंकी पहले भी पूछ (दिसंबर 2023), गगनगीर (अक्टूबर 2024) और गुलमर्ग (अक्टूबर 2024) में हमले कर चुके हैं। फिर भी वे अब तक खुले घूम रहे हैं।

सैन्य कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को

रोका गया, लेकिन पीएम मोदी इस पर कुछ नहीं बोल रहे।

कांग्रेस नेता ने मोदी सरकार पर चीन और पाकिस्तान के बढ़ते सैन्य संबंधों को नजरअंदाज करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने याद दिलाया कि 2020 में प्रधानमंत्री ने चीन को ‘क्लीन चिट’ दी थी, और अब उसी चीन से भारत का व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रधानमंत्री उस चीन पर चुप क्यों हैं, जिसके साथ पाकिस्तान की सैन्य साझेदारी अब खुलकर सामने आ चुकी है?’

कोर्ट ने खारिज की सावरकर का नाम 1950 के कानून में जोड़ने की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उस याचिका खारिज कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार को विनायक दामोदर सावरकर का नाम ‘प्रतीक और नाम अधिनियम, 1950’ की अनुसूची में शामिल करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। यह कानून पेशेवर और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए कुछ खास प्रतीकों और नामों के अनुचित उपयोग को रोकने के लिए बनाया गया है। चीफ जस्टिस



(सौजेआई) बी. आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता के किसी मौलिक अधिकार का

उल्लंघन नहीं हुआ है। खुद पेश हुए याचिकाकर्ता ने कहा कि वह पिछले 30 वर्षों से सावरकर पर शोध कर रहे हैं और उनकी ऐतिहासिक भूमिका को कानूनी रूप से स्थापित करने का अवसर चाहते हैं। उन्होंने शीर्ष कोर्ट से आग्रह किया था कि केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय को निर्देश दिए जाए कि सावरकर का नाम अधिनियम की अनुसूची में जोड़ा जाए।

महाकाल दर्शन की लाइन में चेन स्नेचिंग: मुंबई के श्रद्धालु की पत्नी ने बदमाश का हाथ पकड़ा, पेंडल गायब

उज्जैन/नवप्रदेश। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार को दर्शन की लाइन में एक श्रद्धालु के गले से अज्ञात बदमाश ने सोने की चेन तोड़ने का प्रयास किया।

बदमाश की हकत देख श्रद्धालु की पत्नी ने उसका हाथ पकड़ लिया, लेकिन वह भागने में सफल हो गया। इस दौरान चेन में लगा देवी माँ का सोने का पेंडल गुम हो गया है। श्रद्धालु ने



अभी तक शिकायत नहीं की है। घटना 26 मई को दोपहर करीब 12 बजे अंधेरी (मुंबई) निवासी दिलीप कुमार दुबे के साथ हुई। वे पत्नी के साथ दर्शनार्थियों की लाइन में लगे थे। इसी दौरान एक बदमाश ने धक्का-मुक्की करते हुए उनकी सोने की चेन तोड़ दी। पत्नी ने तुरंत बदमाश का हाथ पकड़ लिया। दोनों के बीच धक्का-मुक्की हुई, लेकिन बदमाश हाथ छुड़ाकर भाड़ में मिलकर फरार हो गया। बदमाश के साथ दो-तीन अन्य साथी भी थे, जो भीड़ से निकलकर बाहर चले गए। श्रद्धालु की सतर्कता के कारण टूटी चेन उसके पास बच गई, लेकिन उसमें लगे सोने के देवी मां के पेंडल की तलाश की गई, जो कहीं गिर गया या बदमाश के हाथ में चला गया। घटना के बाद श्रद्धालु दिलीप कुमार दुबे मंदिर के आईटी विभाग पहुंचे। आईटी प्रभारी निर्मल सांखला ने घटना स्थल का निरीक्षण किया, लेकिन गिरा हुआ पेंडल नहीं मिला। सांखला ने बताया कि घटना स्थल कोना होने के कारण वहां सीसीटीवी कैमरा नहीं दिखता। उन्होंने सुझाव दिया है कि बेरिकेड्स लगाकर श्रद्धालुओं को एक लाइन बनाई जाए ताकि सभी कैमरे की निगरानी में रहे। मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम होने के बावजूद इस तरह की वारदातें होती रहती हैं। प्रशासन ने मंदिर में पुलिस, होमगार्ड, निजी सुरक्षा गार्ड्स और कर्मचारी तैनात किए हैं। फिर भी भीड़ में छुपकर बदमाश जेवर चोरी कर जाते हैं। कई बार वारदात की जानकारी पुलिस या प्रशासन तक नहीं पहुंचती क्योंकि श्रद्धालु शिकायत नहीं करते। इससे मंदिर सुरक्षा की गंभीर समीक्षा की जरूरत महसूस होती है।

पुलिस पर भरोसा नहीं, अवैध शराब पकड़ने गए, हत्या हुई मुरेना में तस्करों ने मर्डर से 20 दिन पहले भी चाचा-भतीजे पर की थी फायरिंग



मुरैना/नवप्रदेश। मुरैना में पुरानी रंजिश में मारे गए चाचा-भतीजे पर आरोपियों ने 20 दिन पहले भी फायरिंग की थी। पुलिस ने केस दर्ज करने में 10 दिन लगा दिए थे। बाद में मामूली धाराओं में केस दर्ज हुआ और आरोपियों को छोड़ दिया गया। इसलिए चाचा-भतीजे का पुलिस से भरोसा उठ गया था और वे खुद ही अवैध शराब पकड़ने चले गए। सोमवार को सिहौनिया इलाके में शराब तस्करों ने चाचा-भतीजे पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। आरोपी फरार हैं। मरने वाले चाचा बंटी और भतीजा भोला भदौरिया शराब ठेकेदार थे। दोनों की सरकारी ठेके में 10-10त की हिस्सेदारी थी। वहीं, हत्यारे लुक्का, प्रदीप तोमर और ललुकी पंडित पिछले 10 साल से अवैध शराब का धंधा कर रहे हैं। ये बाहर से अवैध शराब लाकर पूरे इलाके में सप्लाई करते हैं। इस कारण भदौरिया परिवार को घाटा हो रहा था। इसी को लेकर दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी।

20 दिन पहले भी हुआ था विवाद

20 दिन पहले लुक्का तोमर ने भोला भदौरिया की गाड़ी के टायर पर गोली चलाई थी। भोला ने सिहौनिया थाने में शिकायत की, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज करने में 10 दिन लगा दिए। बाद में मामूली धाराओं में केस दर्ज हुआ और लुक्का को छोड़ दिया गया। इसके बाद से रंजिश और बढ़ गई।

तस्करों के पीछ गए थे शराब ठेकेदार

सोमवार को बंटी को एक फोन आया कि लुक्का और प्रदीप अवैध शराब लेकर आए हैं और उसे दूसरी जगह ले जा रहे हैं। बंटी ने तुरंत भोला को बुलाया। दोनों बोलेरो से तस्करों के पीछे निकले। प्रदीप और लुक्का भी हथियारों से लैस होकर दूसरी गाड़ी में थे। भाई खा का पुरा गांव के पास दोनों गाड़ियों का आमना-सामना हुआ। बंटी और भोला ने उन्हें रोकने की कोशिश की। तभी आरोपियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बंटी और भोला की मौके पर ही मौत हो गई।

मर्डर में तीसरा साथी भी शामिल

मुत्कों के परिजन और साथी चांदपुर के रहने वाले ललुकी पंडित को भी हत्या में शामिल बता रहे हैं। ललुकी पर 20 से ज्यादा अपराधिक मामले दर्ज हैं। वह भी लंबे समय से शराब तस्करी में शामिल रहा है। वहीं, बंटी पर दो-तीन केस दर्ज थे। भोला पर एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज थे।

पुलिस पर भरोसा नहीं था

बताया जा रहा है कि बंटी को पुलिस पर भरोसा नहीं था। आरोप है कि पिछली बार की झड़प में पुलिस ने लुक्का का साथ दिया था। इसलिए इस बार उन्होंने सूचना मिलने पर पुलिस को खबर नहीं दी और खुद ही पकड़ने निकल पड़े।

2022 में पकड़ी गई थी शराब

2022 में सिहौनिया थाना प्रभारी पवन भदौरिया ने लुक्का के घर से 50 पेटेी शराब बरामद की थी। उसके बाद दोनों आरोपियों को एक साल के लिए जिलाबंदर किया गया। बाद में प्रदीप तोमर ने कोलुआ गांव से सरपंच का चुनाव जीता। सरपंच बनने के बाद वह पुलिस के संपर्क में रहकर अपना धंधा जारी रखा।

आईजी बोले- ठोस क्लू मिले हैं

चंबल जोन आईजी सुशांत कुमार सक्सेना ने भास्कर को बताया, घटनास्थल पर जाकर आसपास के लोगों से पूछताछ की है। कुछ ठोस क्लू मिले हैं। जल्दी ही नतीजे तक पहुंचेंगे। पुरानी रंजिश को लेकर भी केस रजिस्टर्ड करके आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। केस देरी से दर्ज क्यों किया गया इसकी जांच की जाएगी।

पीएम मोदी 31 मई को करेंगे दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण

मां पीताबरा और मैहर वाली मां शारदा समेत श्रीराम तीर्थ चित्रकूट के लिए तीर्थ यात्री ले सकेंगे फ्लाइट

दतिया और सतना

को मिलेगी हवाई

उड़ान की सुविधा,

विकास को मिलेगी

रफ्तार

भो पाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को प्रदेश के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों दतिया और सतना को हवाई उड़ान की ऐतिहासिक सौगात देंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी भोपाल से वर्चुअली दतिया और सतना में नव निर्मित एयरपोर्ट्स का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रारंभ से ही प्रदेश के प्रमुख शहरों को हवाई सुविधा से जो?ने में जुटे हुये हैं। दतिया और सतना शहर धार्मिक , औद्योगिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यहां एयरपोर्ट्स की सुविधा आ जाने से तीर्थ यात्रियों को दतिया की मां पीतांबरा पीठ, सतना की मैहर वाली मां शारदा और श्रीराम के वनवास के साक्षी चित्रकूट धाम पहुंचने के लिए हवाई



यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इस सुविधा से तीर्थ यात्रा सुगम हो जाएगी, साथ ही दोनों क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी।

दतिया को मिली हवाई सेवा की सौगात

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां पीतांबरा की नगरी दतिया अब हवाई सेवा से देश से और भी बेहतर रूप से जुड़ सकेगी।

एमएसएमई क्षेत्र को नई ऊंचाईयों पर ले जाने और संभाव्य क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास

विभागीय परामर्शदात्री

समिति की बैठक में मंत्री

वेतन्य काश्यप का उदबोधन

भोपाल/नवप्रदेश। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य कुमार काश्यप ने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए नई नीतियों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में इस क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और संभाव्य क्लस्टरों को कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की तरह सुविधाएं दिलाने के प्रयास हो रहें हैं। मंत्री श्री काश्यप आज मंत्रालय वल्लभ भवन में विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि तत वित्त वर्ष में विभाग का बजट 700 करोड़ रुपये का था, लेकिन मुख्यमंत्री के सहयोग से विभाग को 2100 करोड़ रुपये मिले, जिससे अनुदान सहायता की सभी लंबित देनदारियों का भुगतान



संभव हो पाया। नव उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्टार्ट अप नीति में उद्योग लगाने का विचार आने से लेकर उसे धरातल पर उतारने तक उद्यमियों को वित्तीय और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। भारत सरकार के पोर्टल पर पंजीयन स्वीकृत होने पर नव उद्यमी को 10,000 रुपये प्रतिमाह की सहायता एक साल तक उपलब्ध कराने के प्रावधान किये गये हैं। यही नहीं माल निर्यात हेतु परिवहन व्यय पर अनुदान का प्रावधान भी किया गया है। प्रदेश में नए औद्योगिक

क्षेत्रों/क्लस्टरों के निर्माण और विकास के प्रयासों में तेजी लाई गई है। इन पर मिलने वाले अनुदान का युवतियुक्तकरण किया गया है, जिससे अनुदान में एकरूपता आई है। जबलपुर के रेडीमेड गारमेंट और छतरपुर के फर्नीचर क्लस्टर का उल्लेख करते हुए श्री काश्यप ने कहा कि वर्तमान में केन्द्र सरकार से वर्तमान क्लस्टरों में कॉमन फेसिलिटेशन सेंटर की जो सहायता मिलती है, वह संभावना वाले क्लस्टरों को नहीं मिलती है। हम प्रयास कर रहे हैं कि संभावना वाले क्लस्टरों को भी यह

सुविधा मिल सके।

खिलौना उद्योग के क्षेत्र में उन्होंने आक्रामकता और हिन्सक प्रवृत्ति को बढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को हतोत्साहित कर सकारात्मक रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले खिलौने के निर्माण को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया। सामाजिक सुधार के लिए यह जरूरी है। बैठक में यह विषय चौड़ा रनवे बनाया गया है। श्री बच्चों में आक्रामकता फैलाने वाले खिलौनों के कारण हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना जरूरी है। श्री सखलेचा ने विभागीय उपलब्धियों की सराहना करते हुए श्री काश्यप और अधिकारियों को बधाई दी। बैठक में देवास की विधायक श्रीमती गायत्री राजे पवार भी उपस्थित थीं। मंत्री श्री काश्यप के उद्बोधन से पूर्व एमएसएमई विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेन्द्र सिंह और सचिव दिलीप कुमार ने विभागीय उपलब्धियों एवं भविष्य की कार्ययोजना पर प्रजेन्टेशन दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को देंगे इंदौर मेट्रो की सौगात

इंदौर एक नए युग में करेगा प्रवेश

भोपाल/नवप्रदेश। भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर एक नये युग में प्रवेश करने जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 31 मई, 2025 को भोपाल से वर्चुअली इंदौर मेट्रो के सुपर प्रायोरेटी कॉरिडोर पर यात्री सेवा का शुभारंभ करेंगे। यह लगभग 6 किलोमीटर का हिस्सा येलो लाइन का सुपर प्रायोरेटी कॉरिडोर है। इसमें पाँच स्टेशन गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर 6 स्टेशन, सुपर



प्रथम पेज का शेष

वित्तीय अधिकारों के

पेंशन / उपदान के अधिक भुगतान को 2हद्वह्र श्रद्ध करने का अधिकार है। विभागीय भवन तो?ने की अनुमति संबंधित विभाग देगा। 80 प्रतिशत मेडिकल एडवांस देने का अधिकार विभाग को, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की अनुमति/परामर्श की आवश्यकता नहीं होगी। वित्तीय अधिकार पुस्तिका 2025 भाग-1 का अनुमोदन इज ऑफ ड्रूंग बिजनेस शासकीय कार्यों में लाने का प्रयास हैं।

कर्मचारियों के हित में है

प्रदेश के हित में ही राष्ट्र का हित है। कार्यक्रम के संयोजक श्री सुभाष वर्मा द्वारा स्वागत उद्बोधन देकर केन्द्र सरकार के समान राज्य कर्मियों को महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, सचिवालय भत्ता व अन्य सभी कर्मचारी हितैषी निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार

जल बचायें, क्योंकि जल

का वास होता है। उन्होंने नागरिकों से

कहा कि अपने घर, आस-पड़ोस और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे जल गंगा संवर्धन अभियान में सक्रिय सहभागिता दें और जल स्रोतों की स्वच्छता व संरक्षण को प्राथमिकता दें।

बड़ा बाग की पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन भी किया। मुख्मंत्री डॉ. मोहन यादव शीतलदास की बगिया से बड़ा बाग स्थित ऐतिहासिक पुरानी बावड़ी पहुंचे और वहां जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर निगम भोपाल द्वारा कराए जा चल रहे जीर्णोद्धार कार्यों का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार +विरासत से विकास+ की सोच के साथ आगे बढ़ रही है और पुरानी विरासतों के संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जल संरक्षण के लिए अद्भुत व्यवस्थाएं बनाई थीं। आज जरूरत है कि हम उन ऐतिहासिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन करें और उन्हें अपनी आने वाली

पीढ़ियों के लिए भी संजोकर रखें। उन्होंने सभी नागरिकों से जल संरक्षण में सक्रिय दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि %जल गंगा संवर्धन अभियान% में सबकी सक्रिय भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बावड़ी का जीर्णोद्धार कार्य पूरी गुणवत्ता और समय-सीमा के साथ पूर्ण किए जाएं।

इस दौरान लोकसभा सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, नगर निगम सभापति श्री किशन सूर्यवंशी, कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त, अन्य अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और बड़ी संख्या में नागरिकण उपस्थित थे।

एमपी में कोरोना के

मांग की है, जो जांच की धीमी गति का संकेत है। कोविड वायरस को फैलने से रोकने, उसके असर की बारोकी से निगरानी करने

एयरपोर्ट अब 19 सीटर विमानों के संचालन के लिए पूरी तरह तैयार है। एयरपोर्ट में सभी आधुनिक सुविधाएं डू एटीसी टावर, फायर स्टेशन, वीआईपी लाउंज, दिव्यांग और बच्चों के लिए एम्बुलेंस और सुरक्षा व्यवस्थाएं डू छोटे स्वरूप में उपलब्ध कराई गई हैं। यह एयरपोर्ट सतना ही नहीं, बल्कि पूरे विन्ध्य क्षेत्र के उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा और क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ बनाएगा। सतना के एयरपोर्ट के प्रारंभ होने से देश और दुनिया में प्रसिद्ध मैहर की शारदा देवी, भगवान श्री राम की वनस्थली चित्रकूट और ज्ञान के तीर्थ के रूप में विकसित नानाजी देशमुख ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट आने वालों के लिए ब?ी सुविधा मिल जाएगी। सतना और आसपास का क्षेत्र खनिजों के साथ सीमेंट आदि कारखानों के लिए आने वाले उद्योगपतियों के लिए भी सुविधाजनक हवाई सफर सुनिश्चित हो सकेगा।

सतना के एयरपोर्टस तीर्थ यात्रियों के आवागमन के लिए नए द्वार खोल रहा है। इससे प्रधानमंत्री श्री मोदी का %नये भारत% का वह विजन भी साकार हो रहा है, जिसमें छोटे शहरों को भी बड़ी उड़ान सुविधा दिये जाने का सपना संजोया गया है।

धामनोद नगर में एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से सीवरेज योजना प्रगति पर सीवरेज योजना की लागत 81.42 करोड़ रुपये

धार/नवप्रदेश। धार जिले के धामनोद नगर परिषद में एशियन डेवलपमेंट बैंक की वित्तीय सहायता से 81 करोड़ 42 लाख रुपये की लागत से एक व्यापक सीवरेज योजना का कार्य प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत नगर की सीवरेज व्यवस्था को वैज्ञानिक एवं टिकाऊ तरीके से विकसित किया जा रहा है, जिसमें 6.68 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला एक सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट होगा। यह प्लांट 80.67 किलोमीटर का सीवरेज नेटवर्क का होगा। इसमें एक मुख्य पंपिंग स्टेशन, दो मध्यवर्ती पंपिंग स्टेशन तथा 3 हजार 379 पेरुलु सीवरेज कनेक्शन सम्मिलित हैं। धामनोद नगर परिषद की यह योजना मई 2023 को आरंभ हुई थी और सितंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 55.60त तथा वित्तीय प्रगति 45.60त तक पहुँच चुकी है, जो कि निर्धारित समय सीमा के अनुसार संतोषजनक है। इस योजना के अंतर्गत जैसे ही सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और नेटवर्क का कार्य पूर्ण होगा, मलजल का प्रभावी उपचार किया जाएगा। उपचारित मलजल का एक भाग नगर के पार्कों में सिंचाई एवं अन्य नागरिक उपयोगों में किया जाएगा, जबकि शेष जल को पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप

एवं 8.7 किलोमीटर भूमिगत मेट्रो है। मेट्रो की येलो लाइन पर 28 स्टेशन होंगे, जो शहरी यात्रा को आसान, तेज और पर्यावरण के अनुकूल बनायेंगे। मेट्रो के 31.32 किलोमीटर के सम्पूर्ण प्रोजेक्ट की लागत लगभग 7 हजार 500 करोड़ रुपये है। प्रारंभिक तौर पर 6 किलोमीटर के कॉरिडोर का उद्घाटन किया जा रहा है इसकी लागत लगभग 1520 करोड़ रुपये है। यह परियोजना इंदौर को एक आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल शहर बनाने

और सटीक जानकारी देने के मकसद से विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्वाह) ने मध्य प्रदेश की स्टेट वायरोलॉजी लैब को 5 करोड़ रुपए की जीनोम सीक्वेंसिंग मशीन दी थी। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मशीन का इस्तेमाल ही नहीं किया जा रहा है।

ज्यादा से ज्यादा संदिग्ध मरीजों की जांच हो- एक्सपर्ट्स कोरोना की दूसरी लहर में हुई भारी मौतों के बाद मध्य प्रदेश के 5 मेडिकल कॉलेजों- भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और रीवा में जीनोम सीक्वेंसिंग लैब स्थापित करने का फैसला लिया गया था। लेकिन, भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज की स्टेट वायरोलॉजी लैब और इंदौर के महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज को छोड़कर, बाकी किसी भी मेडिकल कॉलेज में अभी तक मशीनें नहीं आई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी स्थिति में इंदौर और भोपाल के सरकारी अस्पतालों को अधिक से अधिक संदिग्ध मरीजों की जांच करनी चाहिए और पॉजिटिव सैंपल्स को लैब में भेजना चाहिए, ताकि प्रदेश में कौन सा



न्यूज गैलरी

निर्यात से जुड़े नए दिशा-निर्देश किए गए जारी, वाणिज्य मंत्रालय ने बताया एक जून से होंगे लागू

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अग्रिम प्राधिकरण (एए) धारकों, निर्यातोन्मुख इकाइयों (ईओयू) और विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) में काम करने वाली इकाइयों की ओर से किए गए निर्यात के लिए निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीएपी) योजना के तहत लाभ बढ़ाकर देने की घोषणा की है। ये लाभ 1 जून 2025 से किए जाने वाले सभी पात्र निर्यातों पर लागू होंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।

एमएसएमई में मझोले उद्योग पिछड़े सिर्फ 0.3 फीसदी का योगदान

नई दिल्ली। नीति आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश की जीडीपी और रोजगार में अहम भूमिका निभाने वाले मझोले उद्योग संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहे हैं। इसके लिए योजनाओं की जानकारी की कमी, फंडिंग और तकनीक जैसी 7 बड़ी चुनौतियों को दूर करना जरूरी। देश की जीडीपी में करीब 29 फीसदी, निर्यात में 40 फीसदी और रोजगार में 60 फीसदी से अधिक योगदान देने वाला सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र संरचनात्मक विषमताओं से जूझ रहा है। पंजीकृत एमएसएमई में सूक्ष्म उद्यमों की सबसे ज्यादा 97 फीसदी और लघु उद्यमों की 2.7 फीसदी हिस्सेदारी है।एमएसएमई के कुल निर्यात में 40 फीसदी का योगदान देने वाले मझोले उद्यमों का हिस्सा महज 0.3 फीसदी है, जो स्पष्ट रूप से संरचनात्मक विषमता का संकेत है। नीति आयोग ने सोमवार को 'मझोले उद्यमों के लिए नीति तैयार करना' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा, देश का विकास इंजन बनने के लिए'मझोले उद्यमों को सात चुनौतियां पार करनी होंगी। ये चुनौतियां हैं...सरकारी योजनाओं के बारे में कम जानकारी, प्रौद्योगिकी अपग्रेडेशन की कमी, कुशल श्रमबल का अभाव, अनुपालन, नवाचार में बाधा, फंडिंग और जमीन-बुनियादी ढांचा। रिपोर्ट में इन उद्योगों की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुए उनकी पूरी क्षमता उजागर करने के लिए लक्षित हस्तक्षेप पर जोर दिया गया है।

अगले 5 वर्षों में 45 अरब डॉलर का होगा खनन, बायजू की मुश्किलें बढ़ीं

बिजनेस डेस्क। देश के खनन और निर्माण उपकरण क्षेत्र के अगले पांच वर्षों में बढ़कर 45 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। भारतीय उद्योग परिसंघ एवं किर्नी की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में 16 अरब डॉलर मूल्य वाले खनन एवं निर्माण उपकरण (एमसीई) क्षेत्र के 2030 तक यानी पांच वर्षों में 19 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ने का अनुमान है। रिपोर्ट में एमसीई क्षेत्र में भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने के लिए एक विजन-2030 प्रस्तुत किया गया है।इसमें आगे कहा गया है, भारत शीर्ष-6 वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला एमसीई बाजार है। साथ ही, यह अमेरिका, जर्मनी व जापान से भी आगे निकल गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और औद्योगिक विकास के प्रमुख प्रवर्तक खनन एवं निर्माण क्षेत्र का वैश्विक बाजार 18 लाख करोड़ डॉलर है। यह वैश्विक जीडीपी में 16 फीसदी का योगदान देता है। भारत में यह क्षेत्र जीडीपी में 22 फीसदी का योगदान देता है, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है।ख़ास बात है कि देश का खनन एवं निर्माण?उपकरण क्षेत्र 7 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मुहैया कराता है। बायजू के पढ़ने-सिखाने वाले एप को बकाया भुगतान न करने की वजह से गूगल प्लेस्टोर से हटा दिया गया है। सूत्रों ने सोमवार को बताया, बायजू की आपूर्तिकर्ता अमेजन वेब सर्विसेज को बकाया राशि का भुगतान नहीं करने से यह कदम उठया गया है। बायजू ब्रांड के तहत संचालन करने वाली कंपनी थिंक एंड लर्न के कुछ अन्य एप अब भी प्लेस्टोर पर काम कर रहे हैं। थिंक एंड लर्न के दिवालिया समाधान पेशेवर शैलेंड अजमेरा ने इस संबंध में कोई जवाब नहीं दिया। देश का पर्सनल कंप्यूटर (पीसी) बाजार मार्च, 2025 तिमाही में 8.1 फीसदी बढ़कर 33 लाख इकाई पहुंच गया। रिपब्लिक डेल सेल और सभी बिक्री चैनलों में भारी शिपमेंट के कारण पीसी की बिक्री में तेजी आई है। एचपी 29.1 फीसदी बाजार हिस्सेदारी के साथ इस क्षेत्र में एक बार फिर सबसे आगे है।

चालू वित्त वर्ष में उद्योग के 6.5 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करने की उम्मीद

चमड़ा निर्यात के लिए केंद्र ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पहल को दिया बढ़ावा

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने वैल्यू-एडेड चमड़ा उत्पादों के निर्यात पर लागू प्रमुख प्रतिबंधों को हटाने के लिए एक अधिसूचना जारी की। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से अनुपालन बोझ कम होने और निर्यातकों के लिए कारोबार सुगमता में सुधार होने की उम्मीद है। मंत्रालय की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, बंदरगाह प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, जिससे किसी भी बंदरगाह या इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) से तैयार चमड़ा, गीला नीला चमड़ा, और ईआई टेंडेड चमड़ा निर्यात करने की अनुमति मिल गई है। पहले, ये निर्यात विशिष्ट अधिसूचित बंदरगाहों तक ही सीमित थे। तैयार चमड़ा, गोला नीला चमड़ा, क्रस्ट चमड़ा और ईआई टैन्ड चमड़ा के निर्यात के लिए केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान



(सीएलआरआई) के परीक्षण और प्रमाणन की अनिवार्य आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया गया है। इन प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं को मूल रूप से वैल्यू-एडेड चमड़ा उत्पादों के निर्यात की नगयानी करने और उन्हें कच्चे चमड़े

और शुल्क योग्य वस्तुओं से अलग करने के लिए स्थापित किया गया था। हालांकि, मंत्रालय ने कहा कि ऐसे चमड़े की श्रेणियों पर निर्यात कर समाप्त होने और प्रोसेस्ड तथा कच्चे चमड़े के बीच स्पष्ट भौतिक अंतर के कारण, मौजूदा

जांचों को अनावश्यक माना गया है। यह निर्णय चमड़ा निर्यात परिषद, चमड़ा निर्यातकों और सीएलआरआई सहित हितधारकों के साथ परामर्श के बाद लिया गया है। इससे निर्यात प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, लेन-देन की

लागत को कम करने और विशेष रूप से एमएसएमई निर्यातकों को लाभ मिलने की उम्मीद है। ये सुधार सामान्य सीमा शुल्क प्रावधानों के तहत पारदर्शिता और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए वैश्विक चमड़ा मूल्य श्रृंखला में निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के भारत के प्रयासों का भी समर्थन करते हैं। भारत के चमड़ा और गैर-चमड़ा फुटवियर निर्यात में वित्त वर्ष 2025 में लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, जो 5.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गई है। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में उद्योग के 6.5 बिलियन डॉलर के आंकड़े को पार करने की उम्मीद है। फुटवियर निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सीएलई ने बताया कि विकसित और विकासशील दोनों देशों से मांग मजबूत बनी हुई है, जो प्रभावशाली वृद्धि में योगदान दे रही है।

कारोबार में पेनी स्टॉक 4.2 प्रतिशत तक बढ़कर 4.19 रुपए के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंचा

50 पैसे के इस शेयर ने किया कमाल निवेशकों को दिया 715 फीसदी का मुनाफा

नई दिल्ली। नंदन डेनिम्स लिमिटेड के शेयर आज सोमवार को कारोबार के दौरान निवेशकों के बीच आकर्षण का केंद्र बने रहे। कंपनी ने मार्च 2025 (सप्तरहनु25) तिमाही के लिए मजबूत रेवेन्यू ग्रोथ दर्ज की, जिसके चलते इंट्रा-डे ट्रेडिंग में शेयर 4 प्रतिशत से ज्यादा उछल गए। दोपहर 1 बजे के करीब कंपनी का शेयर बीएसई पर 1.74न की तेजी के साथ 4.09 रुपए पर कारोबार कर रहा था।



सोमवार के कारोबार में यह पेनी स्टॉक 4.2 प्रतिशत तक बढ़कर 4.19 रुपए के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इस तेजी के बावजूद यह शेयर अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 7.33 रुपए से 43 प्रतिशत नीचे है, जो इसने सितंबर 2024 में छुआ था। शेयर ने मार्च 2025 में 2.96 रुपए का 52-सप्ताह का निचला स्तर भी देखा था। मई 2020 में शेयर की कीमत महज 50 पैसे थी। पिछले एक साल में इस शेयर ने 5 प्रतिशत का मामूली रिटर्न

दिया है। दो साल में शेयर में 92 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जबकि पांच साल में इसने मल्टीबैगर रिटर्न दिया है, जो 755 प्रतिशत तक बढ़ गया है और निवेशकों के लिए एक शानदार निवेश साबित हुआ है। मई में अब तक शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, जबकि अप्रैल में 3.7 प्रतिशत और मार्च में 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। इस तेजी से पहले, शेयर दबाव में था और अक्टूबर 2024 से

फरवरी 2025 तक लगातार पांच महीनों तक इसमें गिरावट आई थी। मार्च 2025 तिमाही के लिए कंपनी की बिक्री में 81 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले साल की समान तिमाही के 579.12 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 1,048.65 करोड़ रुपए हो गई। यह मजबूत वृद्धि कंपनी की बढ़ती बाजार उपस्थिति और भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके डेनिम उत्पादों की

एयरटेल ने प्रीपेड यूजर्स के लिए भारत का पहला ऑल-इन-वन ओटीटी एंटरटेनमेंट पैक किया लॉन्च

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक भारतीय एयरटेल (एयरटेल) ने प्रीपेड ग्राहकों के लिए नया और अनोखा एंटरटेनमेंट पैक लॉन्च किया है। इस पैक के जरिए यूजर्स को नेटफ्लिक्स, जियोहॉटस्टार, जी5, सोनीलिव, लार्यसगेटवे, एचए, सन नेक्स्ट, होईचोई, एरोसनॉव और शेमारूमी जैसे प्रमुख ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों से विभिन्न ज्यादा टॉप ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों का एक्सेस मिलेगा। भारत में एयरटेल इकलौती ऐसी टेलीकॉम कंपनी है जो इतना व्यापक ओटीटी एंटरटेनमेंट अनुभव दे रही है। यह सेवा रु279 की आकर्षक प्रारंभिक कीमत पर उपलब्ध है, जिसकी वैधता 1 महीने की होगी। इस पैक में कुल रु750 मूल्य तक की पॉपुलर स्ट्रीमिंग सेवाओं का एक्सेस मिलेगा। इसके साथ ही कंपनी ने 2598 की कीमत पर एक और प्रीपेड डेटा पैक भी पेश किया है जिसमें अनलिमिटेड 5न डेटा, अनलिमिटेड कॉल्स और अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट एक्सेस भी शामिल है, जिससे

यूजर्स को बिना किसी रुकावट के मनोरंजन का लुत्फ़ मिलेगा। ग्राहक अब नेटफ्लिक्स, जियोहॉटस्टार, जी5, सोनीलिव, लार्यसगेटवे, एचए, सन नेक्स्ट, होईचोई, एरोसनॉव और शेमारूमी जैसे प्रमुख ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों से विभिन्न ज्यादा टॉप ओटीटी प्लेटफ़ॉर्मों से विभिन्न प्रकार के टीवी शो, ब्लॉकबस्टर फिल्में और डॉक्यूमेंट्रीज, अन्य के साथ, सभी एक ही पैक के जरिए एक्सेस कर सकते हैं। इन विभिन्न ओटीटी सेवाओं को एक किफायती पैकेज में जोड़ कर, कंपनी अपने प्रीपेड उपयोगकर्ताओं की बदलती मनोरंजन प्रार्थमिकताओं को पूरा करना चाहती है। यह उन्हें व्यक्तिगत सदस्यता के प्रबंधन की जटिलताओं के बिना, उनके पसंदीदा शो, फिल्में और ओरिजनल कंटेंट सहित 16 से अधिक भाषाओं में अंतर्राष्ट्रीय, बॉलीवुड और रीजनल कंटेंट का सहजता से आनंद लेने की सुविधा प्रदान करता है।

राकेश गंगवाल और उनके परिवार ने इंडिगो में 5.7प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। इंटरग्लोब एंविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने मंगलवार को



उन्होंने बताया कि निवेश बैंकिंग फर्म गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्वोरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मॉर्गन स्टैनली इंडिया कंपनी और जेपी मॉर्गन इंडिया हिस्सेदारी बिक्री के लिए प्लेसमेंट एजेंट हैं। नवीनतम लेनेदेन से पहले, गंगवाल और पारिवारिक ट्रस्ट के पास इंडिगो में कुल मिलाकर लगभग 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। पीटीआई की ओर से देखी गई टर्म शीट के अनुसार, नवीनतम ब्लॉक डील के तहत, 5,175 रुपये प्रति शेयर के फ्लोर प्राइस पर 2.2 करोड़

इक्विटी शेयर बेचे गए। शेयरों की कुल संख्या प्रारंभिक 13.2 मिलियन शेयरों (1.32 करोड़ शेयर) से बढ़ाई गई है। जिनका मूल्य लगभग 803 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 6,831 करोड़ रुपये) था। यह उल्लेख पहले टर्म शीट में किया गया था।सोमवार को बंद भाव 5,420 रुपये प्रति शेयर की तुलना में फ्लोर प्राइस 4.5 प्रतिशत के कम है। सूत्रों ने बताया कि 2.2 करोड़ शेयरों के बराबर कंपनी में करीब 5.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है और न्यूनतम मूल्य के आधार पर पेशकश का

आकार करीब 1.33 अरब डॉलर या करीब 11,385 करोड़ रुपये है।बीएसई और एनएसई पर कई चरणों में की जाने वाली शेयर बिक्री पूरी तरह से गौण प्रकृति की है। सौदे की संरचना के भाग के रूप में, विक्रेताओं और उनके निकटतम संबंधियों पर 150 दिन की लॉक-अप अवधि लागू होगी, एक अपवाद को छोड़कर - वे किसी निश्चित मूल्य निर्धारण और लॉक-अप शर्तों के अधीन, किसी एकल निवेशक या निवेशक समूह को बातचीत के माध्यम से कम से कम 300 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के शेयर हस्तांतरित कर सकते हैं।अगस्त 2024 में राकेश गंगवाल के पारिवारिक ट्रस्ट ने एयरलाइन में 5.24 प्रतिशत हिस्सेदारी 9,549 करोड़ रुपये में बेची थी।

खेल

कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज के पहले राउंड में वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को हराया

सूर्यकुमार यादव ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर बने नंबर 1 बल्लेबाज

स्टवानगर। दुनिया के नंबर 1 मैन्स कार्लसन ने स्टवानगर में नॉर्वे शतरंज के शुरुआती दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश पर शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने चार घंटे से अधिक समय तक चले मैच में सभी 3 अंक हासिल करने के लिए अपने अंतिम गेम की विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। खेल 55 चालों के बाद समाप्त हुआ और कार्लसन ने भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर जीत हासिल की।



कार्लसन अब अमेरिकी ग्रैंडमास्टर और दुनिया के नंबर 2 हिकारु नाकामुरा के साथ स्टैंडिंग में शीर्ष पर हैं, जिन्होंने अमेरिकी फैबियानो कारुआना को हराया क्योंकि दोनों खिलाड़ियों ने अपने पहले राउंड के मैचों में जीत के साथ

3 प्वाइंट्स हासिल किए हैं। भारत के अर्जुन एरिगोसी ने चीन के नंबर 1 वेई यी को आर्मीगेडन गेम में हराया, जब उनका क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुआ। वेई ने इस मुकाबले में एक अंक हासिल किया, जबकि एरिगोसी ने कुल 1.5 अंक हासिल

किए.टूर्नामेंट की स्कोरिंग प्रणाली में क्लासिकल फॉर्मेट में जीत के लिए 3 अंक दिए जाते हैं। ड्रॉ होने की स्थिति में, प्रत्येक खिलाड़ी को 1 अंक मिलता है। और आर्मीगेडन गेम में विजेता को अतिरिक्त आधा अंक दिया जाता है।दो बार की विश्व रैंपिड

अंतिम गेम में गलती की। हालांकि, गुकेश ने 11वीं चाल में कार्लसन के सफेद मोहरों के लाभ को बेअसर करके एक मजबूत गेमप्ले दिखाया, जिससे नॉर्वेजियन को लगभग 15 मिनट तक इस चाल पर विचार करना पड़ा। हालांकि, कार्लसन ने अंत में अधिकांश अवसरों का फायदा उठाते हुए विश्व चैंपियन को हराया।ओपन और महिला दोनों श्रेणियों में शीर्ष छह खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। पुरुषों की लाइनअप में गुकेश, कार्लसन, कारुआना, नाकामुरा, एरिगोसी और वेई यी शामिल हैं। महिलाओं के वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वू वेनजुन के साथ आई टेंडिगो, हंपी, अन्ना मुजीचुक, वैशाली और सरसादत खादेमलशारिह भाग ले रही हैं।



सबसे ज्यादा बार 25 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें पंजाब के खिलाफ 39 बॉल में 6 चौके और 2 छक्कों के साथ 57 रनों की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 25 या उससे ज्यादा लगातार रन बनाने के मामले में टॉप पर कब्जा कर लिया है। सूर्यकुमार यादव ने लगातार 14 टी20 पारियों में 25 या उससे ज्यादा रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बना डाला है। सूर्या से पहले ये रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के टेन्बा बाबुबा के नाम था। उन्होंने लगातार 13 पारियों में 25+ स्कोर बनाया है। अब सूर्या उससे आगे निकल गए हैं। इसके साथ ही ब्रेड हॉग, जैक्स रूडोल्फ, कुमार संगाकारा, क्रिस

लिन और काइल मेयर्स ने लगातार 11 पारियों से 25+ का स्कोर बनाया था। अब सूर्या सबसे आगे निकलकर शीर्ष पर हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़कर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सचिन ने आईपीएल साल 2010 में मुंबई के लिए 618 रन बनाए थे। तब से वो मुंबई के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे लेकिन अब सूर्यकुमार यादव ने आईपीएल 2025 में अब तक 14 पारियों में 640 रन बना लिए हैं।



न्यूज गैलरी

हरदा में नर्मदा नदी में डूबे तीन युवक : दोस्तों को बचाने में गई एक की जान अमावस्या स्नान के दौरान हादसा



हरदा/नवप्रदेश। हरदा में अमावस्या पर नर्मदा स्नान करने गए तीन युवक पानी में डूब गए। होमगाई की टीम ने उनके शव बाहर निकाले। पोस्टमॉर्टम के लिए टिम्परी भेजे। हादसा मंगलवार सुबह साढ़े 11 बजे लछौरा गांव में हुआ। करताना चौकी प्रभारी अनिल गुर्जर ने बताया- देवेन्द्र उर्फ देवू जाट (23), करण सिरोही (20) और मोहित जाट नदी में नहाने उतरे थे। तेरते-तेरते वे उस तरफ चले गए, जहां गहराई ज्यादा थी। उन्हें डूबते देखकर घाट पर मौजूद रामदास (38) ने नदी में छलांग लगा दी। मोहित को बाहर निकाल लिया। लेकिन जब देवेन्द्र और करण को बचाने दोबारा नदी में कूदा तो खुद भी डूब गया।

सुबह 8 बजे घर से निकले थे
देवेन्द्र जाट डायानीमा गांव का रहने वाला था। उसके दो छोटे भाई हैं। देवेन्द्र की दो साल पहले शादी हो चुकी है, उसका 7 महीने का बेटा है। देवेन्द्र किसान था। करण सिरोही ग्राम भुत्रास का रहने वाला था। वह दो भाइयों में सबसे छोटा था। शादी नहीं हुई थी। करण खेती करता था। रामदास लहारपुर निवासी था। उसके दो बेटे और एक बेटी हैं। रामदास मजदूरी करता था।

एक की जान बचाकर डूबा रामदास
करताना चौकी प्रभारी अनिल गुर्जर ने बताया कि घटना घाट से लगभग 700 मीटर दूर हुई। तीन युवकों को डूबता देख उन्हें बचाने के लिए चौथा युवक रामदास भी नदी में कूद पड़ा। उसने एक युवक मोहित जाट निवासी डगवानीमा को बचा लिया। लेकिन दो युवकों को बचाने के दौरान तेज बहाव में आने से खुद भी डूब गया। मोहित के चिल्लने पर अन्य लोग मौके पर पहुंचे। लेकिन तब तक तीनों डूब चुके थे। जिसके बाद होमगाई और पुलिस के जवानों ने तीनों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पंचनामा की कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया गया है। पीएम के बाद शवों को परिवजनों को सौंप दिया गया है।

शोर सुनकर नदी में कूदा था रामदास
मृतक रामदास के दोस्त रामनारायण बंजारा ने बताया, हमने स्नान कर लिया था। करीब 11 बजे के आसपास कुछ युवक नर्मदा में नहा रहे थे। इस दौरान अचानक तेज बहाव में जाने लगे। हमारा साथी रामदास घाट पर पूजा कर रहा था। वह युवकों के चिल्लने की आवाज सुनकर नदी में कूद पड़ा। उसने एक युवक को पानी से निकालकर बाहर फेंक दिया। जब दूसरी बार दो युवकों को बचाने गया तो वह भी डूब गया।

बांग्लादेशियों की सूचना देने पर 50 हजार का मिलेगा इनाम
उज्जैन में पुलिस और आईबी अफसरों की बैठक, सिमी-पीएफआई जैसे संगठनों की भी जांच के लिए निर्देश

उज्जैन/नवप्रदेश। अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी की सूचना देने वाले को उज्जैन पुलिस 50 हजार का इनाम देगी। वहीं, सिमी और पीएफआई जैसे संगठनों से जुड़े लोगों की पड़ताल के लिए निर्देश दिए गए हैं। पुलिस और आईबी अधिकारियों की पुलिस कंट्रोल रूम पर महत्वपूर्ण बैठक में बांग्लादेशी घुसपैठियों की सूचना देने वालों को 50 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की गई है। उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने आईबी अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की है। बैठक में इंटे्लिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों के साथ उज्जैन पुलिस के सभी सभी एसपी, सीएसपी, थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक को लेकर एसपी गुरु प्रसाद पाराशर ने कहा जिले की संवेदनशीलता के महत्व को ध्यान में रखते हुए ये बैठक आयोजित की गई थी। तय हुआ कि गुंडा बदमाशों पर दिन में एवं रात में सतत निगरानी रखी जाए। रैंडम चैकिंग भी शामिल हो। होटल, लॉज, ढाबा आदि की जांच। संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी एवं निरीक्षण। सिम कार्ड बेचने वालों पर पैनी नजर है। साथ ही शहर के कई इलाकों में बड़ी संख्या में बंगाली परिवार रहते हैं। इनके बीच अगर कोई बांग्लादेशी रह रहा है तो उसे पकड़ने में मदद करने वालो को इनाम मिलेगा साथ ही उसका नाम भी गुप्त रखा जाएगा।

पीएम मोदी 31 मई को क्षिप्रा नदी पर 778 करोड़ के घाट निर्माण कार्यों का भोपाल से करेंगे वर्चुअल भूमि-पूजन

80 करोड़ के स्टॉप डैम/बैराज/वेटेड कॉजवे निर्माण का भी होगा भूमि-पूजन

भोपाल/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को भोपाल के जम्बूरी मैदान से सिंहस्थ महापर्व की तैयारियों के अंतर्गत नमामि क्षिप्रे परियोजना के तहत घाट निर्माण एवं अन्य कार्यों का वर्चुअल भूमि-पूजन करेंगे। क्षिप्रा नदी पर 778.91 करोड़ रुपए की लागत वाले ये निर्माण कार्य धार, उज्जैन, इंदौर और देवास जिले के हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी 83.39 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले बैराज/स्टॉप डैम/वेटेड कॉजवे का भी भूमि-पूजन करेंगे। साथ ही कालियादेह स्टॉप डैम के 1.39 करोड़ रुपए लागत के मरम्मत कार्य भी शुरू होंगे।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि क्षिप्रा नदी के दोनों किनारों पर शनि मंदिर से नागदा बाईपास तक कुल 29.21 किलोमीटर लम्बाई में घाट

निर्माण कार्य किया जाएगा। घाटों पर श्रद्धालुओं के स्नान के लिये आवश्यक जल स्तर और आवागमन बनाए रखने के लिये वेटेड कॉजवे का निर्माण किया जाएगा। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए क्षिप्रा नदी को अविरल एवं प्रवाहमान बनाए रखने के लिये क्षिप्रा नदी पर बैराज का निर्माण एवं स्टॉप डैम का मरम्मत कार्य भी किया जाएगा।

बैराज/स्टॉप डैम/वेटेड कॉजवे निर्माण

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि क्षिप्रा नदी पर जल संसाधन विभाग देवास द्वारा 2.53 करोड़ रुपए की लागत से गाजनोद खेड़ा बैराज ,3.23 करोड़ रुपए की लागत से



दखनाखेड़ी बैराज, 3.15 करोड़ रुपए की लागत से पटाड़ा बैराज कम कॉजवे, 3.79 करोड़ रुपए की लागत से रनाथर बैराज, 4.73 करोड़ रुपए की लागत से

टिगरियागोगा बैराज, 6.74 करोड़ रुपए की लागत से सिरोंज बैराज कम कॉजवे और 2.57 करोड़ रुपए की लागत से बरोदपिलिया बैराज का निर्माण किया जाएगा।

नमामि क्षिप्रे परियोजना इकाई उज्जैन के द्वारा क्षिप्रा नदी पर 8.71 करोड़ रुपए की लागत से किछेदाराव स्टॉप डैम तथा कान्ह नदी पर 5.74 करोड़ रुपए की लागत से पंथपिपलई स्टॉप डैम, 4.56 करोड़ रुपए की लागत से जमालपुरा स्टॉप डैम, 6.24 करोड़ रुपए की लागत से गोठड़ा स्टॉप डैम, 5.06 करोड़ रुपए की लागत से पिपलियाराघौ क्रमांक 02 बैराज और 6.34 करोड़ रुपए की लागत से रामवासा क्रमांक 02 बैराज का निर्माण किया जाएगा। जल संसाधन विभाग इंदौर द्वारा 2.69 करोड़ रुपए की लागत से ब्राम्हणपिपलिया स्टॉप डैम, 2.64 करोड़ रुपए की लागत से

दर्जीकराड़िया स्टॉप डैम, 1.96 करोड़ रुपए की लागत से कुडाना स्टॉप डैम, 3.43 करोड़ रुपए की लागत से कायस्थखेड़ी स्टॉप डैम, 4.32 करोड़ रुपए की लागत से साहदा स्टॉप डैम, 0.53 करोड़ रुपए की लागत से लालखेड़ी स्टॉप डैम मरम्मत कार्य और 4.43 करोड़ रुपए की लागत से मेलकलमा बैराज सहपुलिया का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा नगर पालिका निगम उज्जैन द्वारा 1.39 करोड़ रुपए की लागत से कालियादेह स्टॉप डैम का मरम्मत कार्य किया जाएगा। कान्ह नदी पर उज्जैन जिले में 5 बैराज एवं इंदौर जिले में 6 बैराज, इस प्रकार कुल 11 बैराजों का निर्माण किया जाएगा। इस प्रकार क्षिप्रा एवं कान्ह नदी पर कुल 21 बैराजों/स्टॉप डैम का निर्माण किया जावेगा।

यूजी पीजी सीट के लिए अधोसंरचना विकास और उपकरण खरीदी कार्य प्राथमिकता से करें पूर्ण कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में करें भर्ती : उप मुख्यमन्त्री शुक्ल

भोपाल/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत पदों की भर्ती में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की वृहद समीक्षा की।



उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों में सीट वृद्धि के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही आवश्यक उपकरणों

की खरीदी प्रक्रिया को भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के सभी मापदंड निर्धारित समय में पूरे किए जा सकें।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नियमित फॉलो-अप कर कार्यों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यह भी निर्देश दिए कि ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिंदी में एमबीबीएस के लिए आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता मेडिकल कॉलेज में सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयुक्त स्वास्थ्य श्री तरुण राठी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आरटीओ अफसर को ट्रक ड्राइवर ने चप्पल से पीटा : उड़नदस्ता स्टाफ पर अवैध वसूली का आरोप लगाया

हाईवे जाम किया; 500 गाड़ियां फंसीं

मंडला/नवप्रदेश। मंडला में ट्रक ड्राइवर और आरटीओ उड़नदस्ता के प्रभारी के बीच मारपीट हो गई। अफसर ने डंडा उठाया तो ट्रक ड्राइवर ने उसकी चप्पल से पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद एक युवक इस घटना का वीडियो बनाने लगा। यह देखकर आरटीओ आरक्षक उसे पकड़ने लगा। मोबाइल छीनने की कोशिश भी की। घटना रविवार को नेशनल हाईवे 30 पर छत्तीसगढ़ सीमा से सटे मोतीनाला-पाण्डुतला के बीच जोगी मंडी घाट की है। इसका वीडियो सोमवार देर रात सामने आया। वीडियो में ड्राइवर और आरटीओ अफसर सड़क पर बहस करते दिख रहे हैं। ड्राइवर अवैध वसूली का आरोप लगाता सुनाई दे रहा है। इसी बीच प्रभारी उसे खींचकर अपनी गाड़ी के पास ले जाते हैं। गाड़ी में रखा डंडा निकालकर ड्राइवर को मारते हैं। इसके जवाब में ट्रक ड्राइवर अपनी चप्पल हाथ में लेकर आरटीओ अधिकारी पर बरसाने लगता है।



ये नजारा देखकर सड़क से गुजर रहे अन्य वाहन रुक गए। लोग बीच-बचाव करने आए। दूसरे ट्रक ड्राइवर भी आरटीओ के स्टाफ से बहस करने लगे। इस बीच पहले ड्राइवर ने अपना ट्रक सड़क के बीच आड़ा लगा दिया। जिसकी वजह से जाम लग गया। किसी ने पुलिस को फोन लगा दिया।

मंडला आरटीओ विमलेश गुप्ता का कहना है कि आरटीओ चेक पॉइंट पर ट्रक को रोका गया तो वह नहीं रुका और आगे बढ़ गया। जब उसे आगे जाकर रोका गया तब उसने ट्रक को रोड पर तिरछा खड़ा कर दिया, जिससे जाम लग गया। जिसके साथ ट्रक ड्राइवर की मारपीट हो रही थी, मैं उसे नहीं पहचाना। मैं वहां नहीं था और न ही मेरी वहां कोई रिकॉर्डिंग है। चेक पॉइंट के प्रभारी होते हैं जो वहां चेकिंग करते हैं। परिवहन निरीक्षक पहलवान सिंह भिलांला

प्रभारी हैं।
तीन घंटे तक ट्रैफिक जाम, 500 गाड़ियां फंसीं

पुलिस के मांगने पर ट्रक ड्राइवर ने गाड़ी के कागजात दिखाए। आरटीओ के दूसरे कर्मचारियों ने उसे ट्रक हटाने के लिए समझाइश दी। पुलिस के कार्रवाई के आश्वासन पर ड्राइवर ने ट्रक हटा लिया। हालांकि, नेशनल हाईवे 30 पर करीब तीन घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। एक किलोमीटर तक लगी कतार में 500 से ज्यादा छोटे-बड़े वाहन फंसे रहे।

पुलिस ने दोनों पक्षों में समझौता कराया

थाना प्रभारी हेमंत बावरिया ने कहा- सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। समझाइश देकर दोनों पक्षों में समझौता कराया। किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। जाम को क्लियर करने में थोड़ा समय लगा।

सीवीआरयू में सेट परीक्षा माध्यम से होगा प्रवेश

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 75 हजार 50 हजार 25 हजार पुरस्कार

होनहार विद्यार्थियों को मिलेगी छात्रवृत्ति

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ सीवी रमन विश्वविद्यालय में इस सत्र से सीवीआरयू- सेट ऑनलाइन परीक्षा में प्रवेश लिया जाएगा इसके लिए सीवीआरयू-सेट प्रतियोगी परीक्षा प्रदेश के सभी 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए शासकीय और अशासकीय और स्नातक के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाएगी। इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को शुल्क में

10ब से लेकर 70ब तक छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। साथ ही साथ बेहतर प्रदर्शन करके प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 75,000, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 50,000 एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को 25,000 पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा 500 विद्यार्थियों को सात्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ सी सी रमन विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ अरविंद कुमार तिवारी ने बताया कि , विश्वविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष टैलेंट सर्च कंपटीशन का आयोजन किया जाता है। पूरे प्रदेश के कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं के विद्यार्थी इसमें हिस्सा लेते हैं, और उन्हें प्रोत्साहन के लिए नगद पुरस्कार



भी प्रदान किया जाता है। उसके स्थान पर अब सीवीआरयू- सेट परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह



परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की जाएगी, जिसमें पंजीयन अनिवार्य होगा। यह पंजीयन पूर्णता निशुल्क

है। इस परीक्षा में प्रदेश के सभी निजी विद्यालय एवं शासकीय विद्यालय के 10वीं 12वीं के प्रतिभागी शामिल हो सकेगे। साथ ही साथ स्नातक स्तर के विद्यार्थी भी स्नातकोत्तर परीक्षा में प्रवेश लेने के लिए इस परीक्षा में शामिल हो सकेगे। उन्होंने बताया कि सीवीआरयू सेट परीक्षा में विशेष कर इंजीनियरिंग, प्रबंधन, आईटी ,साइंस, सोशल साइंस, संकाय के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। कुल सचिव डॉ अरविंद तिवारी ने बताया, कि इस परीक्षा प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन का उद्देश्य यह भी है, कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देश के अनुसार स्नातक और स्नातकोत्तर परीक्षा में देशगणिक चयन प्रक्रिया को पालन किया जाए ,इसी तरह

राष्ट्रीय स्तर के पात्रता परीक्षा छद्मद्व / हद्मद्व एवं अन्य परीक्षाओं के साथ विश्वविद्यालय से संबंधित विषय के लिए आयोजित परीक्षा में भाग लेकर यूजीपीजी में इच्छा अनुसार चयन का प्रवेश ले सकते हैं। इस संबंध में जानकारी के लिए हेल्प डेस्क इकारी नंबर भी जारी किए गए हैं। जिसमें रायपुर, जगदलपुर, भिलाई, राजनांदगांव, बिलासपुर, अंबिकापुर, कोरबा और रायगढ़ शामिल है। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले प्रथम स्थान से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी को 75,000 पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ-साथ 500 विद्यार्थियों को शाना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।